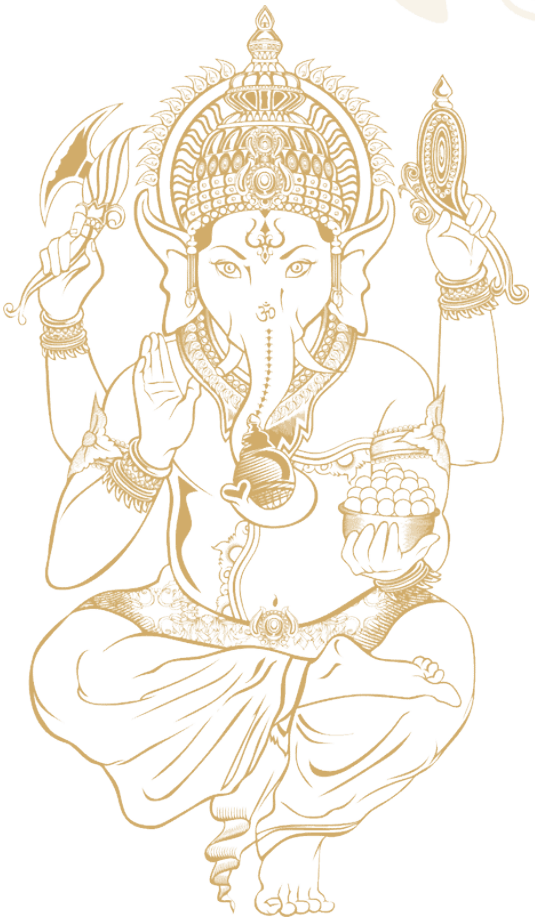

Gaurav prakash

26 Oct 1995

01:56 AM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121877309

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/10/1995**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:56:00 घंटे**
इष्ट	50:07:31 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:06:48 घंटे
वेलान्तर	00:15:52 घंटे
साम्पातिक काल	04:21:48 घंटे
सूर्योदय	05:52:59 घंटे
सूर्यास्त	17:13:33 घंटे
दिनमान	11:20:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:08:52 तुला
लग्न के अंश	14:08:34 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:08:34	321:51:28	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			तुला	08:08:52	00:59:50	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	00:25:36	14:33:46	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	नीच राशि
मंगल			वृश्चि	09:46:17	00:43:15	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध			कन्या	21:17:45	01:25:33	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			वृश्चि	21:00:14	00:11:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	25:31:27	01:14:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	24:49:07	00:02:41	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	02:43:05	00:00:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	02:43:05	00:00:35	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	02:53:03	00:00:59	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:05:35	00:00:42	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	05:35:47	00:02:10	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	13:27:56	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:01

लग्न-चलित

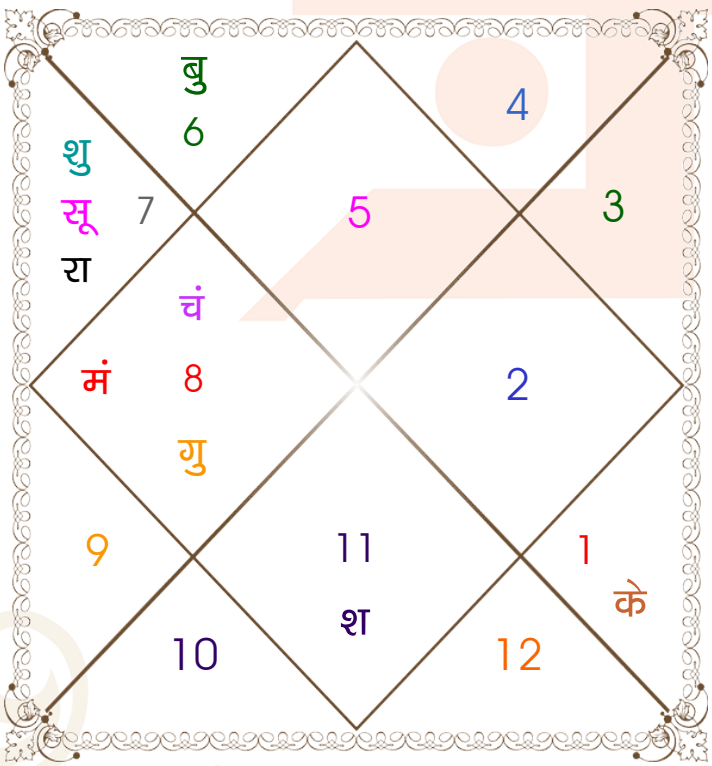

चन्द्र कुंडली

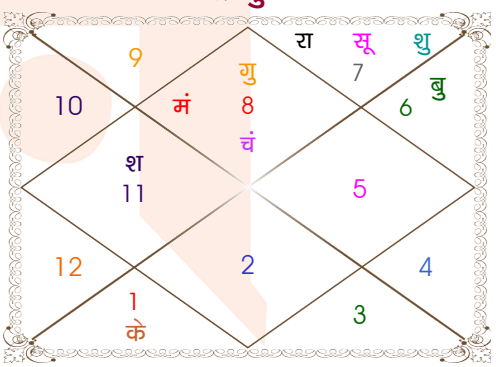

नवमांश कुंडली

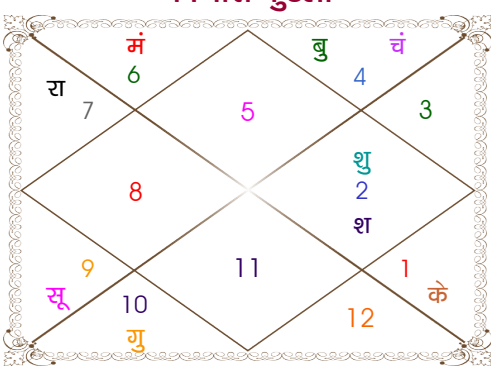

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 5 मास 26 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/10/1995		22/04/1999		21/04/2018		22/04/2035		21/04/2042	
22/04/1999		21/04/2018		22/04/2035		21/04/2042		21/04/2062	
	00/00/0000	शनि	24/04/2002	बुध	17/09/2020	केतु	18/09/2035	शुक्र	21/08/2045
	00/00/0000	बुध	02/01/2005	केतु	14/09/2021	शुक्र	17/11/2036	सूर्य	21/08/2046
	00/00/0000	केतु	10/02/2006	शुक्र	15/07/2024	सूर्य	25/03/2037	चंद्र	21/04/2048
	00/00/0000	शुक्र	12/04/2009	सूर्य	22/05/2025	चंद्र	24/10/2037	मंगल	21/06/2049
	00/00/0000	सूर्य	25/03/2010	चंद्र	21/10/2026	मंगल	22/03/2038	राहु	21/06/2052
	26/10/1995	चंद्र	24/10/2011	मंगल	18/10/2027	राहु	09/04/2039	गुरु	20/02/2055
चंद्र	21/12/1995	मंगल	02/12/2012	राहु	07/05/2030	गुरु	15/03/2040	शनि	21/04/2058
मंगल	26/11/1996	राहु	09/10/2015	गुरु	11/08/2032	शनि	24/04/2041	बुध	19/02/2061
राहु	22/04/1999	गुरु	21/04/2018	शनि	22/04/2035	बुध	21/04/2042	केतु	21/04/2062

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/04/2062		21/04/2068		21/04/2078		21/04/2085		23/04/2103	
21/04/2068		21/04/2078		21/04/2085		23/04/2103		00/00/0000	
सूर्य	09/08/2062	चंद्र	19/02/2069	मंगल	18/09/2078	राहु	02/01/2088	गुरु	10/06/2105
चंद्र	08/02/2063	मंगल	20/09/2069	राहु	06/10/2079	गुरु	28/05/2090	शनि	22/12/2107
मंगल	15/06/2063	राहु	22/03/2071	गुरु	11/09/2080	शनि	03/04/2093	बुध	29/03/2110
राहु	09/05/2064	गुरु	21/07/2072	शनि	21/10/2081	बुध	21/10/2095	केतु	05/03/2111
गुरु	25/02/2065	शनि	19/02/2074	बुध	18/10/2082	केतु	08/11/2096	शुक्र	03/11/2113
शनि	07/02/2066	बुध	22/07/2075	केतु	16/03/2083	शुक्र	09/11/2099	सूर्य	22/08/2114
बुध	15/12/2066	केतु	20/02/2076	शुक्र	15/05/2084	सूर्य	03/10/2100	चंद्र	27/10/2115
केतु	22/04/2067	शुक्र	21/10/2077	सूर्य	20/09/2084	चंद्र	04/04/2102		00/00/0000
शुक्र	21/04/2068	सूर्य	21/04/2078	चंद्र	21/04/2085	मंगल	23/04/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 5 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।